सीवरेज लाइन के चेम्बर ढ़क्कन हादसों को दे रहे आमंत्रण

सीवरेज प्रोजेक्ट 2016 में हुआ शुरू, दस साल बाद भी अधर में लटका काम

नवभारत न्यूज

रीवा, 6 सितम्बर, शहर में कछुआ गति से सीवर लाइन का काम पिछले कई वर्षो से चल रहा है. एक कम्पनी काम पूरा नही कर पाई उसे हटा दिया गया, अब सहज कम्पनी काम कर रही है. सीवर लाइन के लिये शहर की सड़कों को खोद दिया गया और रेस्टोरेशन नही किया गया. लिहाजा बरसात में कीचड़ से लोग निकलने को विवश है. वही दूसरी तरफ सीवर लाइन के चेम्बर के ढक्कन हादसों को आमंत्रण दे रहे है.

दरअसल जो चेम्बर के ढक्कन लगाए गये है वह कई जगह सड़क से नीचे धस गये है तो कई जगह सड़क से ऊपर है जिसके कारण कभी भी दुर्घटना हो सकती है. चोरहटा-रतहरा माडल सड़क में ट्रांसपोट नगर के सामने एवं गोड़हर मोड़ के पास कई जगह चेम्बर के ढक्कन धस गये है. इसके साथ ही शांति बिहार कालोनी के सामने ढक्कन ऊपर आ गया है कभी भी हादसा हो सकता है. इसके अलावा शहर के मोहल्लों में भी यही हाल है. कई जगह चेम्बर के ढक्कन टूट चुके है हालात यह है कि अभी सीवर लाइन का काम पूरा नही हुआ है और गुणवत्ता की पोल खुलने लगी है. अमृत योजना के अन्तर्गत शहर में बिछाई जा रही सीवर लाइन प्रोजेक्ट मनमानी का भेंट चढ़ गया है. पहले केके स्पन कम्पनी ने तीन वर्ष के अनुबंध के अवधि में काम पूरा करने का काम किया.

लेकिन समय-सीमा पूर्ण होने के बाद भी काम पूरा नही हुआ. सीवरेज प्रोजेक्ट की लागत पहले 214.10 करोड़ थी, दस साल पूरे होने को आए आज तक सीवर लाइन का काम पूरा नही हो पाया है और अब गुणवत्ता की पोल खुलने लगी है. चेम्बर के ढक्कन अगर सही नही हुए तो बड़ा हादसा हो सकता है.

निगम आयुक्त अक्षत जैन ने कहा कि शहर की सीवर लाइन का काम चल रहा है. बरसात के बाद काम में और तेजी आएगी. कई जगह सीवर लाइन के चेम्बर ढक्कन ऊपर है जिसके कारण हादसा हो सकता है सभी को सही करने के निर्देश दिये गये है. साथ ही किसी तरह की लापरवाही पर कार्यवाही होगी.

चेम्बर के ढक्कन सही करने के निर्देश दिये गये है : बाबा

महापौर अजय मिश्रा बाबा ने बताया कि सीवर लाइन के काम को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये गये है. साथ ही जो सीवर लाइन के चेम्बर ढ़क्कन जो सही तरीके से बंद नही है ऊपर आ गये है उसे सही करने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिये गये है. कई जगह सीवर चेम्बर ढक्कन सड़क से ऊपर होने की शिकायते मिली है जिसके बाद सही करने के निर्देश दिये गये है.

उपचार व्यवस्था की मानीटरिंग का माड्यूल बनाएं

उप मुख्यमंत्री ने बैठक कर की व्यवस्था की समीक्षा

नवभारत न्यूज

रीवा, 6 सितम्बर, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मेडिकल कॉलेज सभागार रीवा में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए. बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रोगियों के उपचार व्यवस्था की सघन मानीटरिंग आवश्यक है.

आयुक्त स्वास्थ्य विभाग गंभीर रोगियों के उपचार और निगरानी का माड्यूल बनाकर प्रदेश के सभी मेडिकल कालेजों में लागू करें. गंभीर रोगियों को सीनियर और विशेषज्ञ डॉक्टर्स अनिवार्य रूप से देखें. मेडिकल कालेज के अस्पतालों में सीनियर डॉक्टर से लेकर नर्स तक की जिम्मेदारी तय करें. सीनियर डॉक्टरों तथा गंभीर रोगियों के उपचार के लिए एसओपी तैयार करें. अस्पतालों में आने वाले प्रत्येक रोगी को स्वस्थ करने का सेवा भाव से प्रयास करना डॉक्टरों की जिम्मेदारी है. उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कालेज में सीटें बढ़ी हैं. अस्पतालों में उपचार सुविधाओं का भी तेजी से विस्तार हो रहा है. मेडिकल कालेज और अस्पतालों के लिए आवश्यक मानव संसाधन की व्यवस्था करें. नर्सों की भर्ती शुरू की जा रही है. इससे नर्सों की कमी दूर होगी. संजय गांधी अस्पताल के गायनी विभाग में रीवा के साथ-साथ आसपास के कई जिलों के रेफरल मरीज आते हैं. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और जिला चिकित्सालय में भी गर्भवती महिलाओं के उपचार तथा सिजेरियन की उचित व्यवस्था करें जिससे संजय गांधी अस्पताल में रोगियों का दबाव कुछ कम हो. रोगियों को बेहतर उपचार सेवा देने के संबंध में मेडिकल कालेज के विभागाध्यक्ष और सीनियर डॉक्टर पूरी तरह से सक्षम हैं. मानीटरिंग करके व्यवस्थाओं को बेहतर करने की आवश्यकता है.

वीडियो कान्फ्रेंसिंग से जुड़े आयुक्त स्वास्थ्य

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सीनियर डॉक्टर ओपीडी में सेवाएं देते हैं. इसके साथ-साथ मेडिकल कालेज में डॉक्टरों को पढ़ाते हैं. संजय गांधी हास्पिटल के वार्डों का निरीक्षण करना भी उनके प्रोटोकाल में शामिल है. इन सब कार्यों को सही मानीटरिंग व्यवस्था से व्यवस्थित करें. विभागाध्यक्ष और डीन मिलकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें. बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल आयुक्त स्वास्थ्य विभाग एस धनराजू ने कहा कि बैठक में दिए गए निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया जाएगा. मेडिकल कालेज के अस्पताल के साथ-साथ सभी अस्पतालों में उपचार व्यवस्था की मानीटरिंग के लिए समुचित प्रबंध किए जाएंगे. बैठक में मेडिकल कालेज के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल, संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ प्रियंक शर्मा, अधीक्षक सुपर स्पेशलिटी डॉ. अक्षय श्रीवास्तव मौजूद थे.

संक्षिप्त

टीएल बैठक आज

रीवा, कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में 7 सितम्बर को सुबह 11 बजे से टीएल बैठक आयोजित की गई है. बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी टीएल पत्रों, सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा जन विश्वास अभियान शिविर में प्राप्त प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे.

मुनहाई में लोक कल्याण शिविर आज

मऊगंज, जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से 7 सितंबर 2026 को जनपद पंचायत हनुमना अंतर्गत ग्राम पंचायत मुनहाई में लोक कल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा. शिविर का आयोजन कलेक्टर संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में किया जा रहा है. शिविर में मुनहाई, जड़कुड, नकवार, बीरादेई, पिपराही, सरदमन, हर्रई प्रताप सिंह, बावनगढ़, खोढ़मानी, बलभद्रगढ़, कैलाशपुर, रघुनाथगढ़ ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजन अपनी समस्याएं एवं आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे. विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शिविर में उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करेंगे तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने की कार्यवाही करेंगे.

केन्द्रीय जेल रीवा में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

रीवा, केन्द्रीय जेल रीवा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर जेल में निरुद्ध बंदियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से जुड़ी एक आकर्षक और भव्य झांकी तैयार की गई, जिसमें मथुरा के प्राचीन किले का स्वरूप देते हुए कारागार और यमुना नदी आदि का सजीव चित्रण किया गया. इसके साथ ही श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के वृतांत को भी प्रस्तुत किया गया. जन्मोत्सव की खुशी में बंदियों ने उत्साहपूर्वक लोक नृत्य, भजन एवं कीर्तन की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं. इस विशेष कार्यक्रम में जिला बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष मीनाक्षी मिश्रा एवं रीवा न्यायालय से निश्चल सिंह उपस्थित रहे. जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय की मुख्य भूमिका में आयोजित इस सफल कार्यक्रम को संपन्न कराने में उप जेल अधीक्षक संजीव कुमार गेंदले व श्याम सिंह कुशवाह, सहायक जेल अधीक्षक हेमंत रावत, सेवानिवृत्त संगीत शिक्षक राजेश शुक्ला, शिक्षक राजीव कुमार तिवारी व स्वदीप सिंह सहित समस्त जेल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा.

ट्रक ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, 6 लोग गंभीर

रीवा, मऊगंज जिले में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है. यहाँ लौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पलिया ब्रिज पर एक अनियंत्रित ट्रक ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी. इस दर्दनाक हादसे में ई-रिक्शा में सवार 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. घटना के चश्मदीदों के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए. घटना के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया. वहां से गुजर रहे राहगीरों ने बिना वक्त गंवाए तुरंत पुलिस को इस घटना की सूचना दी. सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को ई-रिक्शा से बाहर निकाला और तत्काल मऊगंज सिविल अस्पताल पहुंचाया. समय पर अस्पताल पहुंचने के कारण सभी घायलों को तुरंत इलाज मिल सका, जहाँ फिलहाल उनका उपचार जारी है. मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुए सभी घायल पटपरा और सगरा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं. ये सभी ई-रिक्शा में सवार होकर किसी काम से जा रहे थे, तभी पलिया ब्रिज पर यह हादसा हो गया. घटना की जानकारी मिलते ही लौर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया है और मामला दर्ज कर घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है.

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की सीलिंग भरभरा कर गिरी

रीवा, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में एक बार फिर भ्रष्टाचार की पोल खोलते हुए अस्पताल की सीलिंग भरभरा कर नीचे आ गिरी. यह हादसा अस्पताल के थर्ड फ्लोर स्थित यूरोलॉजी विभाग में हुआ है. गनीमत रही कि जिस वक्त यह सीलिंग ताश के पत्तों की तरह बिखरी, वहां कोई मरीज या कर्मचारी मौजूद नहीं था, वरना रीवा में आज एक बार फिर बड़ी घटना हो सकती थी. बता दे यह कोई पहली घटना नहीं है. बल्कि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की सीलिंग गिरने का यह खौफनाक मंजर रीवा की जनता पहले भी कई बार देख चुकी है. कभी न्यूरो सर्जन वार्ड तो कभी गैलरी, इस अस्पताल की छतें आए दिन मरीजों को मारने के लिए नीचे गिर रही हैं. लेकिन मजाल है कि एयरकंडीशंड कमरों में बैठे जिम्मेदार अफसरों के कानों पर जूं तक रेंग जाए. इस बार भी प्रबंधन की घोर लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैया साफ देखने को मिल रहा है.

सब्जी व्यापारी के साथ मारपीट, वाहन में तोड़फोड़

नवभारत न्यूज

रीवा, 6 सितम्बर, मनगवां थाना क्षेत्र के मनिकवार चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत जरहा में गौशाला के समीप सब्जी व्यापारी के साथ मारपीट और वाहन में तोड़फोड़ का मामला प्रकाश में आया है.

बताया जा रहा है कि अज्ञात लोगों ने सब्जी व्यापारी के साथ मारपीट करते हुए उसके सब्जी से लदे ऑटो वाहन में तोड़फोड़ कर उसे चकनाचूर कर दिया. घटना में सब्जी व्यापारी के सिर में गंभीर चोट आने की जानकारी सामने आई है. घटना के बाद मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई. वहीं घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिला. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है. मनगवां क्षेत्र में लगातार अपराध बढ़ते जा रहे है. इसके पूर्व भी कई बार राहत चलते लोगो के साथ पैसे के लिये मारपीट हो चुकी है.

डॉ. गर्ग ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद चिकित्सालय का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज

रीवा 6 सितम्बर। श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय, रीवा के नवनियुक्त डीन डॉ. शशिधर प्रसाद गर्ग ने आज विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालयों का भ्रमण कर विभिन्न विभागों एवं चिकित्सालयीन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीन डॉ. गर्ग ने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं, उपचार व्यवस्था, स्वच्छता, मरीजों की सुविधाओं तथा विभागीय कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं चिकित्सकों से चिकित्सालय की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की तथा मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके पश्चात डीन डॉ. गर्ग ने विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में चिकित्सा सेवाओं, शैक्षणिक गतिविधियों, विभागीय व्यवस्थाओं, प्रशासनिक कार्यों तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में डीन ने सभी विभागाध्यक्षों एवं चिकित्सकों को निर्देशित किया कि चिकित्सक अपने निर्धारित दायित्वों का पूर्ण गंभीरता एवं समयबद्धता के साथ निर्वहन सुनिश्चित करें। चिकित्सकों द्वारा चिकित्सालय में नियमित राउंड किए जाएँ तथा निर्धारित समय पर ओपीडी में उपस्थित रहकर मरीजों को आवश्यक चिकित्सा परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया जाए। निर्धारित दायित्वों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वरिष्ठ पत्रकार मृगेन्द्र सिंह को मातृ शोक

रीवा, 6 सितम्बर, प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार मृगेन्द्र सिंह के माता श्रीमती माधुरी सिंह की लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया है. अंतिम संस्कार मऊगंज के गृह ग्राम भिटवा में 7 सितम्बर को किया जायेगा. निधन की खबर लगते ही शुभचिंतक एवं स्थानीय लोग घर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की है. कुलदीप सिंह सोमवंशी एडवोकेट ने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है. ईश्वर माधुरी सिंह को अपने श्रीचरणो में स्थान दे.

उप मुख्यमंत्री ने बैडमिंटन प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

नवभारत न्यूज

रीवा, 6 सितम्बर, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स रीवा में ऊर्जा विभाग की 48वीं राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ किया.

प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड रीवा संभाग तथा खेल विभाग द्वारा किया जा रहा है. प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा विभाग के इंजीनियरों और कर्मचारियों ने मध्यप्रदेश को कुछ ही वर्षों में बिजली कटौती वाले राज्य से बिजली बेचने वाला राज्य बना दिया है. ऊर्जा विभाग के अधिकारी अब बैटमिंटन में अपना कौशल दिखायेंगे. हार और जीत की चिंता किए बिना खेल की भावना से बैटमिंटन खेलें. खेल हमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सिखाता है. उप मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता में भाग लेने बाहर से आए 14 टीमें के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें बघेली व्यंजन का आनंद लेने और व्हाइट टाइगर सफारी तथा रीवा के वाटर फॉल घूमने का आमंत्रण दिया. उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों के आयोजन से ही स्पोर्ट्स काम्पलेक्स की रौनक है. रीवा तेजी से विकास कर रहा है. कार्यक्रम में अधीक्षण यंत्री बीके शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि रीवा में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना हम सबके लिए गौरव की बात है. ऊर्जा विभाग की तीनों कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों की 14 टीमें भाग ले रही हैं. इन्हें दो पूलों में बांटकर सिंगल्स और डबल्स की प्रतियोगिताएं होंगी.

पुलिस की बड़ी चूक, डिप्टी सीएम के आवास में घुसे यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता

नवभारत न्यूज

रीवा, 6 सितम्बर, रीवा की बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कांग्रेस पार्टी के साथ युवा कांग्रेस लगातार विरोध कर रहा है. एक दिन पूर्व जहा संजय गांधी अस्पताल में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया था.

वही रविवार को यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता उप मुख्यमंत्री के अमहिया स्थित आवास को घेरने पहुंचे. यहा पुलिस की बड़ी चूक सामने आई. यूथ कार्यकर्ता आवास के मुख्य गेट के अंदर परिसर में प्रवेश कर गये और पुलिस नही रोक पाई. दरअसल उप मुख्यमंत्री के आवास के बाहर एक बड़ा द्वार है और उसके बाद आवास परिसर में पहुंचने के लिये एक छोटा गेट है. कार्यकर्ता छोटे गेट को पार कर आवास के दरवाजे तक पहुंच गये और पुलिस उन्हे रोक नही पाई. यहा एक बड़ी चूक देखने को मिली. जमकर नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी बहस बाजी भी हुई. इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं को गेट के बाहर खदेड़ दिया गया. लेकिन बड़े गेट के ऊपर कार्यकर्ता चढ़ कर नारेबाजी कर रहे थे. पुलिस के साथ बहस के साथ-साथ झूमाझटकी भी हुई.

कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन कर बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा

नवभारत न्यूज

रीवा, 6 सितम्बर, जिले की बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था सहित विभिन्न मांगों को लेकर रीवा कमिश्नर कार्यालय के सामने कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन किया और प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग की.

इस दौरान आदिवासी वर्ग के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने कहा कि प्रदेश मे स्वास्थ्य बदहाली की स्थिति निरंतर गम्भीर होती जा रही है. स्वास्थ्य विभाग नही सुधर पा रहा है, इसलिये स्वास्थ्य मंत्री को पद से स्वत: इस्तीफा दे देना चाहिये. यदि यह इस्तीफा नही देते तो प्रदेश का अनुसूचित जाति वर्ग जिसके साथ आये दिन स्वास्थ्य सम्बन्धी खिलवाड़ की जा रही है. श्री भूरिया ने कहा कि बालाघाट जैसे आदिवासी बाहूल्य क्षेत्र मे 25 से अधिक बच्चों की बुखार के कारण मृत्यु हो गई. छिंदवाड़ा मे जहरीली सीरप के कारण 25 से ज्यादा बच्चे मृत्यु के शिकार हुयें, अब रीवा में चिकित्सकों की लापरवाही से जच्चा-बच्चा की मौत हो गई. इस प्रकार की यह केवल रीवा की घटना नही है, बल्कि ऐसी घटनाऐ आये दिन पूरे प्रदेश मे घटित होना आम बात हो गई है. कार्यक्रम का संचालन आदिवासी कांग्रेस की राष्ट्रीय समन्वयक अर्चना पोर्ते ने किया. कार्यक्रम को म.प्र आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एड0 रामू टेकाम, के.के. शास्त्री, म0प्र0 कांग्रेस महिला आदिवासी विभाग की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रा सरवटे, मप्र आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अजय सिंह, मप्र आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव शिवशंकर गोठिया, जिला कांग्रेस कमेटी मऊगंज के जिला अध्यक्ष हरिलाल कोल, जिला कांग्रेसक मेटी उमरिया जिला अध्यक्ष विजय कोल, कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाहा डब्बू आदि ने सम्बोधित किया. जिलाध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि जब जब अन्याय बढ़ता है तो उसके विरोध में न्याय के स्वर उठते हैं. उन्होने कहा कि यह सत्याग्रह किसी एक व्यक्ति के स्थानांतरण या निलंबन से रुकने वाला नहीं है. इस अव्यवस्था के पीछ यदि कोई जिम्मेदार है तो वह है स्वास्थ्य मंत्री, कार्यक्रम मे पूर्व सांसद राजमणि पटेल, सेमरिया विधायक अभय मिश्रा, महापौर अजय मिश्रा बाबा, महासचिव गुरमीत सिंह मंगू, नीलम मिश्रा, डा. अरूणा तिवारी, मैहर जिला अध्यक्ष धर्मेश घई, रीवा शहर अध्यक्ष अशोक पटेल, रमाशंकर आदि मौजूद रहे.

राजनीतिक फायदे के लिए दुखद घटना को हथियार ना बनाएं कांग्रेसी : वीरेंद्र गुप्ता

रीवा, 6 सितम्बर, भाजपा रीवा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने कल्पना मिश्रा के दुखद मौत पर कांग्रेस पार्टी द्वारा की जा रही राजनीति पर दुख जताते हुए कहा कि पूरी भाजपा कल्पना मिश्रा के परिजनों के दुख में उनके साथ खड़ी है. प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अति संवेदनशीलता के घटना को गंभीरता से लेते हुएत्वरित कदम उठाते हुए सख्त कार्यवाही का आदेश दिया और उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर निष्पक्ष जांच के लिए राज्य स्तरीय जांच दल का गठन किया. कर्मचारियों पर कार्यवाही कर निलंबित किया गया डीन को भी स्थानांतरित किया गया. मजिस्ट्रेट जांच का आदेश कराया गया साथ ही उपमुख्यमंत्री ने कल्पना मिश्रा के पिता और ससुराल जाकर दुख जाता कर उनके द्वारा जांच के निर्णय के अनुरूप दोषियों पर सख्त कार्यवाही का भरोसा दिया है. भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और उनके नेताओं द्वारा जिस तरह से राजनीतिक फायदे के लिए दुखद घटना को हथियार की तरह उपयोग कर रहे है वह अत्यंत ही निंदनीय है.

शहर से लेकर हाइवे तक सड़कों में घूम रहे गौवंश

नवभारत न्यूज

रीवा, 6 सितम्बर, सरकार द्वारा गौवंशों के लिये जिले भर में गौशालाएं संचालित की जा रही है. उसके बाद भी शहर से लेकर हाइवे तक में गौवंश घूम रहे है और आए दिन सड़क हादसे का शिकार हो रहे है. बरसात के समय पानी भर जाने के कारण गौवंश सड़को पर आराम फरमाते है.

शहर के अंदर सड़को एवं मोहल्लों में आवारा गौवंश घूम रहे है जिन्हे पकड़ने की व्यवस्था नगर निगम द्वारा नही की जाती. जबकि तमाम संसाधन भी नगर निगम के पास है. मुख्य बाजार में दिन भर गौवंश घूमते रहते है और लोगो को अपना शिकार बनाते है. इसी तरह रीवा-प्रयागराज और रीवा-बनारस मार्ग में गौवंश घूमते नजर आते है. रात में कीचड़ और पानी से बचने के लिये सड़क पर बैठ जाते है और अंधेरा होने के कारण वाहन चालको को दिखाई नही देते, जिससे दुर्घटना होती है. गौपालक दूध निकालने के बाद गौवंशो को खुले में छोड़ देते है जबकि नियम के मुताबिक ऐसे गौपालकों पर जुर्माने की कार्यवाही होनी चाहिये जो नही की जाती. यही वजह है कि गौवंशो को खुले में छोड़ दिया जाता है. अगर कार्यवाही होने लगे तो कोई भी गौपालक खुले में गौवंशों को नही छोडेगा. एक ओर जहा गौवंश सड़को में घूम रहे है वही दूसरी तरफ किसानों की फसलों को भी बर्बाद कर रहे है.